Department of Hindi

BA (Hons.) Hindi

Category-I

हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)

Core Course - (DSC)-1

कोर कोर्स 1

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : आदिकाल एंव निर्गुण भक्तिकाव्य	कोर कोर्स (DSC) 1	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विषिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेष – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विषिष्ट उपलब्धि है।

Unit 1 (15 घंटे)

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानबेध समय
कवित्त (10–11)

- प्रथम मुक्कि दरबार। लज्ज संर सुरतानी।।

  ....

किहि् थांन लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि।।

बानबेध समय
दूहा (20–33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज।।

....

प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह् हथ्थ।।

- चवै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान।।

दे कमान चौहान कौं। साहि दियै कछु दान।।

बानबेध समय

पद्धरी (50–53)

- संगहें पान कम्मान राज। उब्भरे अंग अंतर विराज।।

....

निसुरत्ति आनि दिय साहि हथ्थ। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्थ।।

बानबेध समय

कवित्त (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर।।

....

श्रृगांर वीर करूना विभछ। भय अद्‌भुत इसंत सम।।

Unit 2 (15 घंटे)

विद्‌यापति – सं. डॉ. षिवप्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद)

वंषी माधुरी

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

....

वन्दह नन्दकिसोरा।।

रूप वर्णन

- देख–देख राधा–रूप अपार

....

करू अभिलाख मनहि पद–पंकज अहोनिसि कोर अगोरि।

पद–14

- चाँद–सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे।

....

रूप नरायन ई रस जानथि सिबसिंघ मिथिला भूपे।

पद–24

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

....

रूपनरायन जाने।।

Unit 3 (15 घंटे)

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास

(नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)

साखी : गुरूदेव कौ अंग – 1 से 16 तक

विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45

पद संख्या – 378,400

Unit 4 (15 घंटे)

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यष गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)
Core Course - (DSC)-2
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	कोर कोर्स (DSC) 2	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विष्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्वति

Unit 1 (15 घंटे)

हिंदी साहित्य : इतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल–विभाजन एंव नामकरण

Unit 2 (15 घंटे)
आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांकृतिक परिवेष और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3 (15 घंटे)

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्षनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4 (15 घंटे)

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेष, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृतियाँ

1. रीतिबद्व और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिषाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेष गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्षन – नलिन विलोचन षर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3

10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods
असाइनमेंट
इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी कहानी
Core Course - (DSC)-3
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कहानी	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी कहानी के उद्‌भव और विकास की जानकारी
कहानी विष्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विष्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार
Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय
कहानी लेखन और प्रभाव का विष्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विष्लेषण की समझ

Unit 1 (15 घंटे)

उसने कहा था – गुलेरी
पंच परमेष्वर – प्रेमचंद

Unit 2 (15 घंटे)
तीसरी कसम – रेणु
चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3 (15 घंटे)

वारिस – मोहन राकेष
वापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4 (15 घंटे)
दोपहर का भोजन – अमरकान्त
घुसपैठिए – ओमप्रकाष वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरष मिश्र
हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीषंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेष
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाषित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोष

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
कहानी

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Common Pool of Generic Elective (Courses) offered by Department of Hindi
Category-IV

हिंदी का वैष्विक परिदृष्य

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का वैष्विक परिदृष्य	**GE/ Language**	**4**	**3**	**1**	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा.कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन
- विश्व की प्रमुख भाषाओं से विद्यार्थी का परिचय कराना
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा की स्थिति और स्वरूप से विद्यार्थी का परिचय कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

Course learning outcomes

भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा

• स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा

• वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1 (15 घंटे)

- विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचय ;मंदारिन, अंग्रेज़ी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसीए जापानी

- वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

Unit 2 (15 घंटे)

- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
- हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
- विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3 (15 घंटे)

- किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट.प्रस्तुति
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
- विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4 (15 घंटे)

- विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
- विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फ़िल्में, गीत, संकलन
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

References

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
- हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
- मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
- रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016

  भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मिश्र)बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषित शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

हिंदी सिनेमा जगत की जानकारी
सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course learning outcomes

हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ
सिनेमा निर्माण, प्रसार कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1 (15 घंटे)

सिनेमा : सामान्य परिचय
1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा,
2. सिनेमा की इतिहास यात्रा
3. सिनेमा के प्रकार – व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

Unit 2 (15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन
1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय बाज़ार
3. हिंदी सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3 (15 घंटे)

सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक
1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3. सिनेमा और सेंसरबोर्ड

Unit 4 (15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन की दिषाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्‌गति, अमर अकबर एंथनी, पीकू, मधुमती)
3. सिनेमा के दृष्य, तकनीक, कहानी, स्पेषल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा

References

1. फिल्म निर्देषन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्‌ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेष्वर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाषन विभाग
7. हिंदी सिनेमा का समाजषास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विष्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विष्लेषण

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
अनुवाद की समझ विकसित करना
व्यावहारिक और क्षेत्र विषेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course learning outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी
क्षेत्र विषेष की माँग से परिचित होगें

Unit 1 (15 घंटे)

भारत का भाषायी परिदृष्य और अनुवाद का महत्व
अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2 (15 घंटे)
प्रयुक्ति की आवधारणा
अनुवाद और विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3 (15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार –1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
सर्जनात्मक साहित्य
ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य

Unit 4 (15 घंटे)
अनुवाद व्यवहार 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
जनसंचार
प्रषासनिक अनुवाद और बैकिंग अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र
अनुवाद के सिद्धांत – रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) – हेमचन्द्र पाण्डेय
कार्यालय प्रदीपिका – हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेष सिंहल
काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल
कोष विषेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेष कांति वर्मा
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेष कांति वर्मा
The theory and practice of Translation – Nida E.
Language, Structure & Translation – Nida E.
Routledge Encyclopedia of Translation – Baker, Mona
Translation Evaluation – House, Juliance
Machine Translation: Its Scope and Limits – Wilks, Vorick
Translation and Interpreting – Baker H.
Revising and Editing for Translators – Mossop B.
Introducing Translation Studies: Theories and applications – Munday J.
The Routledge Companion to Translation Studies – Munday J.
Comprehensive English – Hindi Dictionary – Raghubir
Oxford Hindi – English Dictonary – R.S. Mc Gregor
English- Hindi Dictionary – Hardeo Bahari

Teaching learning process

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
पारिभाषिक शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) Hindi

DSC-I

<u>हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास</u>

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।
साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

<u>इकाई–1</u>

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्‌भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

<u>इकाई–2</u>

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

<u>इकाई–3</u>

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

<u>इकाई–4</u>

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्‌भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिदीं साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

Discipline Specific Core-2
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना
हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई–1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई–2
हिंदी सिनेमा : उद्‌भव और विकास

इकाई–3
सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई–4
नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां
(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेष्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : करुणा षंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : कौषल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process
व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods
टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords
सिनेमाई शब्दावली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)

OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
आधुनिक आवष्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास
(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) संत–काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952
संत रैदासजी
पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्वनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाषन, दिल्ली, 1998;
कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता
– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ख'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :
(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो .....
– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर
– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता
– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ग'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास
(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विषेषताएँ
(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :
कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :
–मैया मैं नहिं माखन खायौ .....
– उधोमन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता
(क) बिहारी :
– मेरी भव बाधा हरौ .....
–कनक कनक ते सौंगुनी .....
–कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :
– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....
– सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युग बोध कोठी से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैष्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः षिक्षण में हिंदी कविता छात्रों

के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Pool of Generic Elective Courses

Offered by Department of Hindi

बी.कॉम. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

CATEGORY-IV

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी में रुचि विकसित करना

हिंदी साहित्य एवं प्रमुख साहित्यकारों का परिचय

हिंदी भाषा को समझना और उसके आधुनिक प्रयोग को जानना

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों का अध्ययन

इकाई–1

हिंदी भाषा
(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी की उपभाषाएँ

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वाँ संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17

(ख) मीराबाई की पदावली, संपा. आ. परषुराम चतुर्वेदी; हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; 14वां संस्करण, 1892. सन् 1970 ई.; पद 1, 4, 5, 6

(ग) बिहारी : बिहारी रत्नाकर; संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए.; प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली; सं. 2006; दोहा 381, 435, 438, 439, 491

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– मैथिलीषरण गुप्त : भारत भारती (हमारे पूर्वज अंष)

– जयषंकर प्रसाद : हिंमाद्रि तुंग श्रृंग से

– नागार्जुन : अकाल और उसके बाद

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र

5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. मीरा का काव्य : विष्वनाथ त्रिपाठी
10. प्रसाद का काव्य : प्रेमषंकर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास की समझ विकसित होगी।

प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा के विकास और साहित्य के इतिहास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी का उद्‌भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वां संस्करण; सं. 2049 वि.

– पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.........

– कस्तूरी कुंडलि बसै ....

– यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान ......

– सात समुन्दर की मसि करूँ ......

– साधू ऐसा चाहिए ....

– सतगुरु हमसुँ रीझकर ....

(ख) तुलसी : रामचरितमानस – केवट प्रसंग

इकाई–3

(क) बिहारी

– बतरस लालच लाल की ....

– या अनुरागी चित्त की ....

(ख) भूषण

– इंद्र जिमि जंभ पर ......

– साजि चतरंग सैन .....

इकाई–4

आधुनिक कविता
– जयषंकर प्रसाद : अरुण यह मधुमय देष हमारा

– हरिवंष राय 'बच्चन' : अग्निपथ

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
5. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी कीप्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विषेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

– गुरु गोविन्द दोउ खड़े ....

– निन्दक नियरे राखिए ....

– कबीर संगति साधु की ......

– माला फेरत जुग भया ......

– पाहन पूजै हरि मिले ....

– वृच्छ कबहूँ न फल भखें ....

सूरदास

– मैया मैं नहिं माखन खायो ....

– उधो मन न भए दस–बीस ....

इकाई–3

बिहारी

– मेरी भव बाधा हरौं ......

– कनक कनक ते सौं गुनी .....

– थोड़े ही गुन रीझते ......

– कहत नटत रीझत खिझत ......

घनानंद

– अति सूधो सनेह को मारग ......

– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

– माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

– धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विकास गुप्ता

REGISTRAR

DEPARTMENT OF HINDI

Category-I

BA (HONS.) HINDI

हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य का अध्ययन समयावधि की साहित्यिक स्थिति से अवगत कराएगा
- सामाजिक – राजनीतिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन – विश्लेषण की जानकारी देना

Course learning outcomes

- हिंदी के मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
- ब्रजभाषा के समृद्व साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit 1 10 घंटे

गोस्वामी तुलसीदास : रामचरित मानस,
(सुन्दर काण्ड)
गीताप्रेस, गोरखपुर

Unit 2 10 घंटे

सूरदास : भ्रमरगीतसार : (संपादक) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी , नई दिल्ली)

पद संख्या – (4,7,21,22,23,24,25,37,52,76,85)

Unit 3 10 घंटे

केशवदास – रामचंद्रिका : वन–गमन वर्णन

बिहारी – बिहारी रत्नाकार : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार'
(शिवाला, वाराणसी)
छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347

Unit 4 15 घंटे

घनानंद – घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र;
(वाणी वितान; बनारस–1)
सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41)

भूषण – शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या – 50, 104, 411, 420, 443, 512

References

- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय ग्रंथावली – संपा, डॉ. किशोरीलाल गुप्त
- घनानंद और स्वछंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीर प्रसाद शास्त्री
- भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उतरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, भाग – 6 – संपा. डॉ. नगेन्द्र
- घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Additional Resources:

- सनेह को मारग – इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन

Teaching learning process
कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

Asessment Methods
टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	कोर कोर्स (DSC) 5	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय
– साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
– साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course learning outcomes

– विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है।
– साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ–साथ समाज के विकास को भी चिह्नित करना है।
– साहित्येतिहास के बिना साहित्य–विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अतः साहित्य–विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।

Unit 1 — 10 घंटे

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिंदी साहित्य से उनका संबंध

Unit 2 — 10 घंटे

- कथा साहित्य का विकास
- नाटक का विकास
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका)
- आलोचना का विकास

Unit 3 10 घंटे

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उतर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

15 घंटे

Unit 4

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और सांहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मितामूलक विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक –नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह
5. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी

additional Resources:

शिवसिंह सरोज – शिवसिंह सेंगर
हिंदी नवरत्न – मिश्र बंधु
समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
हिंदी नाटक : नयी परख – संपादक – रमेश गौतम
कथेतर – माधव हाड़ा
भारतेन्दु प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
छायावाद – नामवर सिंह
कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ) – संपादक – अज्ञेय
हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
सामाजिक न्याय और दलित साहित्य–स. श्यौराज सिंह 'बेचैन'
आधी दुनिया का सच–कुमुद शर्मा
आदि–धर्म–रामदयाल मुंडा

आदिवासी साहित्य की भूमिका–गंगा सहाय मीणा

Teaching learning process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन–अध्यापन, समूह–परिचर्चाएँ

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	कोर कोर्स (DSC) 6	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– अन्य गद्य विधाओं की जानकारी
– गद्य–विधाओ की विश्लेषण पद्वति
– प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओ का अवलोकन

Course learning outcomes

– कथेतर साहित्य का परिचय
– विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
– प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

Unit 1

इकाई – 1 निबंध 10 घंटे

बालकृष्ण भट्ट – जातियों का अनूठापन (नेशनल चार्टर)
(भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)
सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता

Unit 2

10 घंटे

इकाई – 2 निबंध

रामचंद्र शुक्ल – करूणा
हजारीप्रसाद द्विवेदी – भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

Unit 3

10 घंटे

इकाई – 3 जीवनी एवं व्यंग्य

रामविलास शर्मा – 'निराला की साहित्य साधना' भाग –1 से 'नए संघर्ष' शीर्षक अध्याय
हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज

Unit 4

15 घंटे

इकाई – 4 संरमरण एवं यात्रा–वृतांत

संरमरण : अज्ञेय के साथ – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

यात्रा वृतांत : राहुल सांकृत्यायन – अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

References

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन – सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध – सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भरतेन्दु युग – रामविलास शर्मा
- छायावादोतर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री – पाल वसीन
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, हरिमोहन शर्मा

Teaching learning process

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category-IV

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

पटकथा और संवाद लेखन

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
पटकथा और संवाद लेखन	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझना।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना।

Course learning outcomes

- पटकथा क्या है समझेंगे।
- पटकथा और संवाद में दक्षता हासिल करेंगे।
- पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

Unit 1 10 घंटे

- पटकथा अवधारणा और स्वरूप
- पटकथा लेखन के तत्व
- पटकथा लेखन की प्रक्रिया

10 घंटे

Unit 2

- फीचर फिल्म की पटकथा
- डॉक्यूमेंट्री की पटकथा
- धारावाहिक की पटकथा

10 घंटे

Unit 3

- संवाद लेखन की प्रक्रिया
- संवाद लेखन की विशेषताएँ
- संवाद संरचना

Unit 4 15 घंटे

– टी.वी. धारावाहिक का संवाद लेखन
– डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन
– फीचर फिल्म का संवाद लेखन

References

पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
कथा पटकथा : मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत, प्रभात रंजन

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

भाषा और समाज

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
भाषा और समाज	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- भाषा और समाज के अंतस्संबंध की जानकारी
- समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
- सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास

Course learning outcomes

- समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन
- सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
- भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1 — 10 घंटे

भाषा और समाज का अंतसंबंध
समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप
भाषा और सामाजिक व्यवहार

Unit 2 — 10 घंटे

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय
भाषा और समुदाय
भाषा और जाति

Unit 3 — 10 घंटे

भाषा और वर्ग
भाषा अस्मिता और जेंडर
भाषा और संस्कृति

Unit 4 — 15 घंटे

भाषा सर्वेक्षण
भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि
भाषा नमूनों का सर्वेक्षण और विश्लेषण

References

भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
हिंदी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पांण्डेय
सांझी सांस्कृतिक विरासत के आईने में भारतीय साहित्य – मंजु मुकुल, हर्ष बाला

Additional Resources:

Socio Linguistics : An Introduction to Language and Society – Peter Trudgill
Socio Linguistics – R. A. Hudson
An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh
The Shadow of Language – George Yule

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
भाषाविज्ञान के पारिभाषित शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना है। भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पूरी दुनिया वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर गई है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएँ लाँघ ली है। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा।

Course learning outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएँगेः
2. उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा
3. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
4. कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है
5. वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ–साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा। अतः पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है।
6. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से लेकर वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्याार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
7. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है।

Unit 1 हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका 10 घंटे

- भारोपीय भाषा–परिवार एवं आर्यभाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)

Unit 2 हिंदी भाषा का क्षेत्र एंव विस्तार 10 घंटे

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ

- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क–भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप

Unit 3 लिपि का इतिहास 10 घंटे

- भाषा और लिपि का अंतस्संबंध
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि–लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

Unit 4 देवनागरी लिपि 15 घंटे

- देवनागरी लिपि का परिचय एंव विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि और कम्प्यूटर

References

1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय पुरालिपि – डॉ. रामबली पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
3. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
5. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
6. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CATEGORY-II

BA (PROG) WITH HINDI AS MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जययशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में .... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी .... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	0	DSC-II

Course Objective

– भारत के मौखिक साहित्य और लोक–परम्परा का अवलोकन

– लोक–जीवन और संस्कृति की जानकारी

– पर्यटन और संगीत–नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा।

Course Learning Outcomes

– मौखिक साहित्य का परिचय

– प्रमुख रूपों का परिचय

– संस्कृति और लोक–जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

इकाई–1 10 घंटे

मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ

इकाई–2 10 घंटे

लोकगीत : वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर : भोजपुरी, संस्कार गीत; श्री हंस कुमार तिवारी; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पृ. 8, गीत सं. 4

सोहर : अवधी, हिंदी प्रदेश के लोकगीत; कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 110, 111; साहित्य भवन; इलाहाबाद

विवाह : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य : परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 116

निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ :

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव; पृ. 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 205

वाचिक कविता : भोजपुरी; पं. विद्यानिवास मिश्र, पृ. 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जंतसर; दँवनी, रोपनी इत्यादि

कटनी के गीत; अवधी 2 गीत; हिंदी प्रदेश के लोकगीत : पं. कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 140, 141

विविध गीत : घुघुती–कुमाउनी; कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत; पं. रामनरेश त्रिपाठी; पु. 801–802

इकाई–3 10 घंटे

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ :

– विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ आल्हा, लोरिक,

सारंग – सदावृक्ष, बिहुला

– राजस्थानी लोककथा नं. 2; हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461–462

– अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187–188

इकाई–4 15 घंटे

लोकनाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला,; रासलीला, मालवा का माच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला, बिहार – बिदेसिया, हरियाणा सांग पाठ, संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली, संपा. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंडवानी; तीजन बाई)

References

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकरलाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक–साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार
5. रसमंजरी : सुचीता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरिशस
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : पं. राहुल सांकृत्यायन; 16वां भाग
7. वाचिक कविता : भोजपुरीः विद्यानिवास मिश्र
8. भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य : डॉ. विद्या सिन्हा
9. कविता कौमुदी : ग्रामगीत :पं. रामनरेश त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन–हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
11. मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका–चौमासा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ सांस्कृतिक शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CATEGORY-III

BA (PROG) WITH HINDI AS NON-MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जययशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में .... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी .... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(26)/2023-24/

Dated: 05.07.2023

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 14-1/-(14-1-1/-) dated 09.06.2023]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

Syllabi of Semester-III of the department of Hindi under Faculty of Arts based on Under Graduate Curriculum Framework -2022 implemented from the Academic Year 2022-23.

DEPARTMENT OF HINDI

बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय साहित्य

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय साहित्य	कोर कोर्स (DSC7)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.......
  गुरु ने मुझसे कहा........
  हम ही थे........
  पिया को खोजने..........
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहबाद, (प्र. सं. 1952)

सेमेस्टर – 3

हिंदी नाटक एवं एकांकी

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी नाटक एवं एकांकी	कोर कोर्स (DSC8)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- ➢ नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- ➢ नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- ➢ नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ➢ नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- ➢ नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- ➢ हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथों की सूची:

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्रयोत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर – 3

सामान्य भाषा विज्ञान

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
सामान्य भाषा विज्ञान	कोर कोर्स (DSC9)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विषेशताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (**Course Learning Outcomes):**

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विषेशताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

सेमेस्टर – 3

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा	डीएसई (DSE1)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप **(12 घंटे)**

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित **(12 घंटे)**

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग

(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

सेमेस्टर – 3
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा
Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा	डीएसई (DSE2)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- ➢ राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- ➢ देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- ➢ खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- ➢ विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ➢ राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- ➢ भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- ➢ खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- ➢ स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा ‘नवीन’
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’
- बापू – रामधारी सिंह ‘दिनकर’

सहायक ग्रंथों की सूची:

- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी ‘प्रेमघन’, प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा ‘नवीन’, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’, अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

सेमेस्टर – 3

रचनात्मक लेखन

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
रचनात्मक लेखन	डीएसई (DSE3)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत **(12 घंटे)**

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा **(09 घंटे)**

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन **(12 घंटे)**

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन **(12 घंटे)**

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES

The Pool of Generic Electives offered in Semester -I and Semester-II will also be open for Semester-III.

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4
हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	**(DSC)**	**4**	**3**	**1**	**0**	**12th Pass**	**Nil**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

इकाई – 3

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

इकाई – 4

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

➢ भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
➢ भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
➢ लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
➢ लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
➢ भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
➢ परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
➢ हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4
हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV

GE / Language – क्रेडिट 4

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली